अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2025) दिनांक : 20.12.2025

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

आचार्य भिक्षु के विचारों की प्रासंगिकता–25

प्र. 1 कोई आठ प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में दीजिए– 8

(क) विचारों की चिरंजीविता का आधार क्या है?

(ख) आचार्य भद्रबाहु ने लौकिक धर्म के कितने और कौन से भेद किये?

(ग) आचार्य भिक्षु ने लोकोत्तर धर्म की क्या कसौटी दी?

(घ) असंयमी को बचाने की इच्छा क्या है?

(ड़) जनतंत्र में समाज कल्याण का क्या अर्थ होता है?

(च) समाजीकरण का प्रत्यय कौन से दो संदर्भों में प्रयुक्त होता रहा है?

(छ) भगवान महावीर ने जीवन में अनिवार्य कार्यों के सम्पादन हेतु कितने नियमों का निर्देश दिया?

(ज) तेरापंथ की शासन प्रणाली के लिए कौन सा शब्द उपयुक्त होगा?

(झ) संघ के सफल संचालन का मूल मंत्र क्या है?

(ञ) मनगढन्त आरोपों की गोबेल्स की नीति क्या है?

प्र. 2 कोई दो प्रश्नों के दो या तीन वाक्य में उत्तर दीजिए– 5

(क) धर्म शब्द के कोई पांच अर्थ लिखें।

(ख) आचार्य भिक्षु ने जीना, मरना, बचाना और मारना इन चारों को अलग-अलग किस प्रकार कहा है?

(ग) साधन और साध्य के चार विकल्प कौन से हैं? आचार्य भिक्षु ने किस विकल्प को उपयुक्त माना है?

(घ) दान के विषय में महात्मा गांधी के क्या विचार हैं?

प्र. 3 कोई दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 12

(क) सिद्ध करें कि आचार्य भिक्षु के व्यक्तित्व में श्रद्धा और तर्क का अद्‌भूत मिश्रण था।

(ख) आचार्य भिक्षु व गांधी जी के अहिंसा के विषय में विचारों का तुलनात्मक वर्णन करें।

(ग) कानून बनाम हृदय-परिवर्तन पर टिप्पणी लिखें।

(घ) समाजीकरण की अवधारणा पर प्रकाश डालें।

तेरापंथ की साध्वीप्रमुखाएं–35

प्र. 4 कोई आठ प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए– 8

(क) भीम जी स्वामी ने सरदारां जी को दीक्षा लेने पर क्या देने को कहा?

(ख) सरदार सती की दीक्षा को संघ में शुभ का प्रतीक क्यों माना?

(ग) महासती गुलाबां जी की दीक्षा कब हुई और उनके साथ कितनी बहनों ने दीक्षा ली?

(घ) साध्वीप्रमुखा नवलां जी ने गुरूकुलवास में कितने चातुर्मास किये और कौन-कौन से आचार्यों के सान्निध्य में किये?

(ड़) नवल सती ने कुल कितनी साध्वियों को दीक्षित किया?

(च) जेठांजी को साध्वीप्रमुखा पद पर कब और कहां नियुक्त किया?

(छ) साध्वीप्रमुखा जेठांजी के माता-पिता का क्या नाम था?

(ज) कान कुमारी को दीक्षा लेने की प्रेरणा किसने दी?

(झ) साध्वी कान कुमारी ने कितने व कौन से आगम कंठस्थ किए?

(ञ) जब बालिका झमकू गर्भ में थी तो माता चांद देवी को क्या स्वप्न आया?

प्र. 5 कोई दो प्रश्नों के उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 12

(क) गुलाब सती के कीर्तिमानों का उल्लेख करते हुए सिद्ध करें कि उन्हें जयाचार्य की सहज कृपा प्राप्त थी।

(ख) सिद्ध करें कि जय-युग में होने वाले हर परिवर्तन के साथ नवल सती ने अपने आपको श्रद्धा-समर्पण के साथ जोड़ा।

(ग) महातपस्विनी साध्वीप्रमुखा जेठां जी की तपस्या का वर्णन करें।

(घ) साध्वीप्रमुखा झमकू जी की कला साधना पर प्रकाश डालें।

प्र. 6 जयाचार्य ने धर्मसंघ में नई क्रांति के स्वर मुखरित किये। संघ की व्यवस्था के परिवर्तन में महासती सरदारां का विशेष सहयोग रहा। कोई दो संदर्भों द्वारा सिद्ध करें। 15

अथवा

साध्वीप्रमुखा कान कुमारी जी की निर्भीकता के दो घटना प्रसंग लिखें।

अनुकम्पा की चौपाई–30

प्र. 7 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्य में लिखें– 5

(क) नेमिकुमार ने राजीमती से कितने भवों का नाता तोड़ा और क्यों?

(ख) अनुकम्पा के अन्तर की किस दूध से तुलना की है?

(ग) अपश्चिम मारणान्तिक संलेखना के अतिचार लिखें।

(घ) समुद्रपाल को वैराग्य कैसे उत्पन्न हुआ?

(ड़) दशवैकालिक सूत्र के अनुसार राग-द्वेष के कौन से कार्य हैं?

(च) गोशालक को बचाने के लिए भगवान महावीर ने कौन सी लब्धि का प्रयोग किया?

(छ) 'मच्छ गलागल' इस शब्द से क्या तात्पर्य है?

प्र. 8 कोई एक प्रश्न का उत्तर दें– 10

(क) आचार्य भिक्षु द्वारा दिए गये हिंसा के सात दृष्टांतों का वर्णन करते हुए सिद्ध करें कि ज्ञान, दर्शन, चारित्र के अलावा कोई मुक्ति का साधन नहीं है।

(ख) 'मारण वाला ने हिंसा कही, नहीं मारे हो ते तो दया गुण खांण' भिक्षु स्वामी के इस सिद्धांत को सिद्ध करें।

प्र. 9 कोई दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें– 15

(क) लबदधारी नां खेलादिक थी, सोलेई रोग जडां सूं जावे।
वले जांणे साध ए रोग सूं मरसी, अणुकंपा आंणे रोग नहीं आ अणुकंपा सावज्ज जांणो।।

(ख) अणुकंपा उणरी आंणे, छोडे छुड़ावे नें भलो जांणे।
तिणनें चोमासी प्राछित आवे, धर्म जाणे तो समकत जावे।।

(ग) चारित्र लीयो कर्म काटवा, जांणे मोक्ष तणों उपाय रे।
पिण कुरणा न आंणी चोर नीं, छोडावण री न काढी वाय रे।।

(घ) इम अवस उदे मोह आवीयो, नहीं टाल सक्या जगनाथ।
ते तो न्याय न जांणीयो, त्यारें मांहे मूल मिथ्यात।।

भिक्षु वाणी–10

प्र. 10 किन्हीं तीन पद्यों की पूर्ति करें– 10

(क) उपदेष्टा।

(ख) जीवन-सूत्र

(ग) दुष्कर साधना।

(घ) रक्षक-भक्षक।

(ड़) शूरवीर।